



## नववर्ष संदेश निदेशक (योजना एवं व्यवसाय विकास)

प्रिय साथियो,  
आपको नववर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं!

पिछला साल घटनाओं से भरा रहा है। हालांकि महामारी से उबरना काफी उत्साहजनक था, लेकिन महामारी जाते-जाते आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं और बेलगाम बढ़ती मुद्रास्फीति के रूप में अपने निशान छोड़ गई, जिसने यह जता दिया कि बहाली का रास्ता इतना भी सुगम नहीं था। इसके अलावा, वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा उद्योग को सबसे बड़ा झटका रूस-यूक्रेन युद्ध से लगा, जिसने वस्तु और ऊर्जा बाजारों में कहर बरपा दिया।

ऊर्जा की बढ़ती कीमतों ने हाल के वर्षों में स्वच्छ ऊर्जा अपनाने में हुई प्रगति को खतरे में डाल दिया है। इसके अलावा, लगातार गर्म होती धरती पर रहने के खतरे और अधिक स्पष्टता से उजागर हुए हैं क्योंकि हम भारत सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों में सूखा, लू और बाढ़ जैसी मौसम की विभीषिका के बार-बार घटने से जूझ रहे हैं।

जबकि हमने यह भी देखा कि व्यापार लेन-देन मुश्किल हो गया है और सौदेबाजी कठिन हो गई है, जैसे कि विकास और मुद्रास्फीति के बीच या ऊर्जा सुरक्षा और ऊर्जा रूपांतरण के बीच, ऐसा मुद्दों के एक-दूसरे से जुड़े होने के कारण हुआ है। साथ ही इसने भविष्य के लिए समग्र और सतत विकास के निर्माण की आवश्यकता पर भी बल दिया है। और, इसे देखते हुए यह नव परिवर्तन और सहयोग न केवल तकनीक के लिए, बल्कि नीति और व्यापार मॉडल के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

एक बिजनेस लीडर के रूप में, इंडियनऑयल भारत के नेट जीरो 2070 लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समग्र और सतत भविष्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष 2022 के दौरान, एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, इंडियनऑयल ने 2046 तक अपने प्रचालन में नेट जीरो उत्सर्जन (जिसे स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन के रूप में जाना जाता है) प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। सतत विकास पर अधिक ध्यान दिया जाना स्पष्ट रूप से इस कठिन कार्य को हासिल करने के हमारे संकल्प को दर्शाता है।

अपने परिचालन से परे, इंडियनऑयल अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को हरित बनाने के लिए भी काम कर रहा है, जिससे स्कोप 3 उत्सर्जन का समाधान किया जा सके। इस संबंध में, इंडियनऑयल कम कार्बन उत्सर्जन वाले ईंधन और हरित ईंधन जैसे जैव ईंधन, हाइड्रोजन और ईवी क्षेत्र में लगातार काम कर रहा है। इंडियनऑयल के लिए यह बहुत गर्व का क्षण था, जब माननीय प्रधानमंत्री ने अगस्त 2022 में पानीपत में इंडियनऑयल के 2जी इथेनॉल संयंत्र को राष्ट्र को समर्पित किया। यह परियोजना एशिया में अपनी तरह की पहली परियोजना है तथा पराली जलाने और उससे जुड़े वायु प्रदूषण की जटिल समस्या का समाधान करने की दिशा में एक कदम है। इससे पहले, वर्ष की शुरुआत में, इंडियनऑयल के एलओआई धारक वर्बियो ऑफ जर्मनी ने संगरूर, पंजाब में एशिया का सबसे बड़ा बायोमास आधारित सीबीजी संयंत्र चालू किया था। अन्य हरित ईंधनों की बात करें तो हेवी ड्यूटी ट्रकों के लिए ईंधन के रूप में एलएनजी, सड़क भाड़ा क्षेत्र को कार्बन उत्सर्जन से निजात दिलाने के लिए हरित ईंधन प्रौद्योगिकी विकल्प प्रदान करता है। इंडियनऑयल ईंधन के रूप में एलएनजी के इस उभरते हुए क्षेत्र में अपनी पैठ बना रहा है। हम एलएनजी स्टेशन स्थापित कर रहे हैं और एलएनजी ईंधन वाले प्रोटोटाइप ट्रक के इंजन पर परीक्षण के लिए तकनीकी और कानूनी सहायता प्रदान कर रहे हैं।

हमारी अर्थव्यवस्था और व्यापार का पहिया चलाने की दिशा में किए जा रहे प्रयास नेट जीरो रूपांतरण और सतत विकास हासिल करने में एक महत्वपूर्ण कारक हो सकते हैं। इस संदर्भ में, कचरे से ऊर्जा बनाने पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा, देश में दूसरे सबसे बड़े पेट्रोरसायन आपूर्तिकर्ता के रूप में इंडियनऑयल, प्लास्टिक रीसाइक्लिंग चेन को अधिक उपयोगी बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। वर्ष के दौरान, इंडियनऑयल ने इंडियनऑयल दिवस 2022 के अवसर पर 'साइक्लोप्लास्ट' के ब्रांड नाम से रिसाइकल किए गए पॉलिमर का एक ब्रांड लॉन्च किया था। बाद में नवंबर '22 में, इंडियनऑयल ने इस्तेमाल की गई प्लास्टिक की बोतलों की रिसाइकलिंग के लिए "अनबॉटल" नामक एक पहल शुरू की। इस नई पहल के तहत, इंडियनऑयल के फ्यूल कस्टमर अटेंडेंट और इंडेन एलपीजी गैस डिलीवरी कर्मियों के लिए यूनिफॉर्म बनाई जा रही है। इस पहल के तहत इस्तेमाल की गई और फेंकी गई पीईटी बोतलों की रिसाइकलिंग की जाएगी। यह वर्दी 75% पोस्ट-कंज्यूमर पॉलिएस्टर और 25% प्री-कंज्यूमर रिसाइकल कॉटन के साथ पॉलीकॉटन फैब्रिक से बनाई गई है।

हमें वड़ोदरा में 200 केटीए क्षमता वाली पॉली विनाइल क्लोराइड (पीवीसी) परियोजना के कार्यान्वयन के लिए चरण-1 की स्वीकृति भी प्राप्त हुई है। पीएंडबीडी समूह ने दिसंबर '22 के महीने के दौरान पेट्रोरसायन सम्मेलन के 7वें संस्करण की भी मेजबानी की, जिसका विषय "भारत का पेटकेम भविष्य – सतत विकास और आत्मनिर्भर" था। इस सम्मेलन का उद्घाटन श्री हरदीप सिंह पुरी, माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा आवासन और शहरी कार्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया था।

इस वर्ष ने हमें ऊर्जा सुरक्षा के महत्व का एहसास कराया। इंडियनऑयल ने फ़ार्म-इन और डीएसएफ दौर के आवंटन के माध्यम से 7 नए घरेलू ब्लॉकों को जोड़कर अपने परिसंपत्ति पोर्टफोलियो में उल्लेखनीय वृद्धि की है। आज, इंडियनऑयल के अपस्ट्रीम ब्लॉकों के सावधानीपूर्वक विकसित पोर्टफोलियो में भारत और विदेश में स्थित 8 उत्पादक परिसंपत्तियां शामिल हैं। ईएंडपी समूह ने हाल ही में अपने 25 साल पूरे होने का जश्न मनाया तथा भविष्य में और अधिक बुलंदियां छूने के अपने संकल्प को फिर से दोहराया।

इंडियनऑयल भारतीय उपमहाद्वीप के पड़ोसी देशों में बाजार और तालमेल बनाने की कोशिश कर रहा है। हमने भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल नदी मार्ग का उपयोग करके एका रिफाइनरी, बांग्लादेश को नापथा का निर्यात किया, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। एक और अहम पहल बांग्लादेश से सड़क मार्ग से अगरतला (त्रिपुरा) बॉटलिंग संयंत्र में एलपीजी का आयात किया गया है। इस पहल से अगरतला में एलपीजी आयात करने के लिए तय की जाने वाली दूरी 1700 कि.मी. दुर्गम इलाके से कम होकर केवल 200 कि.मी. रह गई है। इसने न केवल साजो-सामान की लागत और समय को कम करने में मदद की है, बल्कि ईंधन की आवश्यकता और इस प्रकार उत्सर्जन को कम करके प्रचालन को हरा-भरा भी बनाया है। इंडियनऑयल ने संकट के दौरान श्रीलंका की आवश्यक ईंधन आवश्यकताओं को पूरा करने में भी मदद की। मुझे लगता है कि ये सभी पहलें इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण हैं कि कैसे मामूली सा नया परिवर्तन और सहयोग भी स्थिरता, किफायती लागत अर्थशास्त्र और बेहतर संबंधों को बढ़ावा देने में योगदान दे सकता है।

इंडियनऑयल के पास विस्फोटकों का एक छोटा लेकिन बढ़ता हुआ व्यवसाय है, जो इस वर्ष मामूली गति से बढ़ा। हमने अपना पहला बल्क विस्फोटक संयंत्र देश के पश्चिमी हिस्से में नागपुर, महाराष्ट्र के पास उमरेर में चालू किया।

अंत में, निष्कर्ष यह है कि बीते वर्ष हमने बाहरी झटकों से उत्पन्न जिन चुनौतियों का सामना किया था, वे अभी खत्म नहीं हुई हैं, फिर भी आशा और उत्साह कायम है। भारत ने हाल ही में अपनी जी20 अध्यक्षता शुरू की है और इसके माध्यम से यह समग्रता और सतत विकास का अपना संदेश वैश्विक मंच से फैला रहा है। भारत अपने दृढ़ नीतिगत संकल्प, समर्थित आबादी, हरित ऊर्जा और डिजिटलीकरण के बल पर इस दशक की विकास गाथा को लिखने के लिए तैयार है। अब जबकि हम वर्ष 2023 में कदम रख रहे हैं, आइए, हम सभी इंडियनऑयल और भारत को एक समावेशी और स्थायी भविष्य की ओर बढ़ने में मदद करने के लिए सहयोग और नई खोज करते रहने का संकल्प लें।

मेरी पत्नी शाश्वती और मैं आपको और आपके परिवार को एक बहुत ही सुरक्षित, स्वस्थ और खुशहाल नए साल की शुभकामनाएं देते हैं।

धन्यवाद!

सुजय चौधरी

2 जनवरी 2023

सुजय चौधरी  
निदेशक (योजना एवं व्यवसाय विकास)



## New Year Message Director (Planning & BD)



Dear Colleagues,  
Heartiest greetings to you for the New Year 2023!

The past year has been an eventful one. While the recovery from the pandemic was encouraging, the scars of the pandemic in the form of supply chain bottlenecks and runaway inflation meant that the recovery was far from smooth. Moreover, the biggest shock to the global economy and the energy industry came in the form of the Russia-Ukraine war, that wreaked havoc in commodity and energy markets.

High energy prices have jeopardized the progress made in clean energy access in the recent years. Alongside, the perils of living in a warming planet have become more and more clear as we came face to face with increased frequency of extreme weather events such as droughts, heatwaves, and floods, in different parts of the world, including India.

While we saw trade-offs get starker and bargains tougher, such as those between growth and inflation or between energy security and energy transition they also highlighted the interconnectedness of issues and underscored the need for building a future of inclusive and sustainable growth. And, in pursuit of this innovation and collaboration will be the critical duo for not only technology but also policy and business models.

As a business leader, IndianOil is committed to creating an inclusive and sustainable future for achieving India's Net Zero 2070 target. During the year 2022, in a landmark step, IndianOil set a target of achieving Net Zero Emissions from operations (known as Scope 1 & Scope 2 emission) by 2046. This increasing focus on sustainability clearly shows our resolve to achieve this herculean task.

Beyond its operations, IndianOil is also working to make its product portfolio green, thereby also addressing Scope 3 emissions. In this regard, IndianOil has been working relentlessly in low carbon and green fuels like biofuels, Hydrogen and EV space. It was a moment of great pride for IndianOil, when Hon'ble Prime Minister dedicated to the nation, IndianOil's 2G Ethanol Plant at Panipat in August 2022. This project is first of its kind in Asia and is a step towards addressing the vexed problem of stubble burning and associated air pollution. Prior to this, earlier in the year, IndianOil's LOI holder Verbio of Germany commissioned the Asia's largest biomass based CBG plant at Sangrur, Punjab. Talking about other green fuels, LNG as a fuel for heavy duty trucks offers greener fuel technology alternative in decarbonizing road freight sector. IndianOil is making inroads in this emerging area of LNG as a fuel. We are setting up LNG stations and providing technical & statutory support to trials on Engine for the LNG fuelled Prototype Truck.

Efforts towards making our economy and business circular, could be an important lever in achieving net zero transition and sustainable growth. In this context, besides being focused on waste to energy pathways, IndianOil as the second biggest petrochemicals supplier in the country, is increasingly working towards making plastics recycling chain more amenable to adoption. During the year, IndianOil launched a brand of recycled polymers under the brand name of 'Cycloplast' on IndianOil day 2022. Later in Nov'22, IndianOil launched an initiative called "Unbottled"-for recycling of used plastic bottles. Under this novel initiative, uniforms are being made for IndianOil Fuel customer Attendants and Indane LPG Gas delivery personnel. This initiative would support recycling of used and discarded PET bottles. The uniforms are made from Polycotton fabric with 75% post-consumer polyester & 25% pre-consumer recycled cotton.

We also received the Stage-I approval for implementation of 200 KTA capacity Poly Vinyl Chloride (PVC) Project at Vadodara. The P&BD group also hosted the 7th edition of Petrochemical Conclave, with the theme "India's Petchem Future – Sustainable and Atmanirbhar" during the month of December'22. This conclave was inaugurated by Mr. Hardeep Singh Puri, Hon'ble Minister of Petroleum and Natural Gas & Housing and Urban Affairs, GoI.

The year made us realize the importance of energy security. IndianOil significantly enlarged its portfolio of assets, with addition of 7 new domestic blocks through farm-ins and DSF round allotments. Today, IndianOil's carefully nurtured portfolio of upstream blocks consists of 8 producing assets located within India and abroad. The E&P group recently celebrated its 25 years and reinvigorated its resolve for scaling greater heights.

IndianOil has been trying to build markets and synergies in the neighbouring countries of the Indian sub-continent. We exported naphtha to Aqua Refinery, Bangladesh using the Indo-Bangla Protocol River route, which was a major milestone. Another strategic initiative has been the import of LPG at Agartala (Tripura) bottling plant via road from Bangladesh. This initiative has helped reduce the distance traversed for importing LPG at Agartala from 1700 Km of difficult terrain to just 200 Km. It has helped reduce not only logistics cost and time, but also made the operation greener by reducing fuel requirement and hence the emissions. IndianOil also helped to meet the essential fuel requirements of Sri Lanka during their crisis. All these initiatives, I feel are excellent examples of how even simple innovations and collaborations can contribute to sustainability, better cost economics, and foster better relations.

IndianOil has a small but growing business of Explosives, which grew at the modest pace this year. We commissioned our first Bulk Explosives Plant in the western part of the country at Umrer, near Nagpur, Maharashtra.

To conclude, while the challenges that we faced from external shocks in the year gone by are far from over, there are reasons for hope and excitement. India recently began its G20 Presidency and through this is taking the global centre stage to spread its message of inclusive and sustainable growth. India is set to be the growth story of this decade, powered by its strong policy resolve, favourable demographics, and its strides in the areas of green energy and digitalization. As we step into year 2023, let us all resolve to keep collaborating and innovating to help IndianOil and India march towards an inclusive and sustainable future.

My wife Shashwati joins me in wishing you and your family a very safe, healthy, and joyous new year ahead.

Thank You!

2<sup>nd</sup> January 2023

**Sujoy Choudhury**  
Director (P&BD)